

प्रपत्र

राजेन्द्र सिंह,  
उप सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल,  
श्रीनगर गढ़वाल।

शिक्षा अनुभाग-४ (तकनीकी)

देहरादून दिनांक ०४, नवम्बर, 2006

**विषय:-** राजकीय पालीटेक्निक श्रीनगर में टाईप-III के 04 आवासों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्रांक -1785/नि.प्रा.शि./एसन-छ-1/2006-07 दिनांक 27.9.2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय राजकीय पालीटेक्निक श्रीनगर में टाईप-III के 04 आवासों के निर्माण हेतु उ0प्र0 राजकीय निर्माण नियम इकाई श्रीनगर द्वारा गठित आगमन रु0 33.41 लाख के सामेश रु0 32.35 लाख (रुपये पत्तीस लाख पैंतीस हजार मात्र) के आगमन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इस वित्तीय वर्ष 2006-07 में रु0 20.00 लाख (रुपये बीस लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2- आगमन में उल्लिखित दरों का विस्तरेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित तरी को जो दर शिडयून आक रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी है, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन /मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एक गुप्त प्रविधान में कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रयोजित तरी/पिशिष्टों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चिता करें।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूतली-भाति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 8- आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए। एक मद की राशि का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग कर ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लाया जाए।
- 10- जी.पी. डब्ल्यू फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219/ (2006) दिनांक 30.5.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करता समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करे।
- 12- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मल के अनुसार गठित किया जाय तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दे।
- 13- यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्ति करनी होगी, स्वीकृति शर्तों से अधिक कदापि न किया जाय।
- 14- इस संघ में होने वाला कार्य संबंधित वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक- 4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय- 02- तकनीकी शिक्षा- आयोजनागत - 104- बहुशिल्प -00- 03 - राजकीय बहुधनी संस्थाओं के (पुरुष/ महिला) भवन का निर्माण / सुदृढीकरण - 24- गृह निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 15- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या-1114/वि० अनु०-3/2006 दिनांक 6.11.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

महोदय,

(राजेन्द्र सिंह)  
उप सचिव।

**संख्या व दिनांक तदैव**

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

1. महालेखाकार उत्तरांचल देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० तकनीकी शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
3. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, पीडी।
4. परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम, श्रीनगर, पीडी।
5. वित्त अनुभाग-3/ नियोजन अनुभाग।
6. आयुक्त गडवाल मण्डल, पीडी।
7. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं ससाधन, सचिवालय देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(संजीव कुमार शर्मा)  
अनु सचिव।